# इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

## द्रव्य प्राप्ति गजलक्ष्मी प्रयोग

**प्रदोष पर्व - 24 मई**

द्रव्य का तात्पर्य धन, लाभ, बुद्धि से है। धन की देवी है लक्ष्मी तथा इसके विभिन्न स्वरूपों में गजलक्ष्मी स्वरूप विशेष प्रभावदायक, फलदायक माना गया है, 'सौभाग्य कल्प लतिका' ग्रंथ के अनुसार यदि कार्यों में निरन्तर **हानि** हो रही हो, किसी को उधार दिया हुआ धन वापिस नहीं आ रहा हो, आर्थिक हानि त्रस्त कर रही हो तो साधक को लक्ष्मी की पूर्ण कृपा के लिये यह प्रयोग अवश्य ही सम्पन्न करना चाहिये।

## मनोकामना सिद्धि साधना

**पुष्य योग - 30 मई**

हमारे सामने नित्य समस्याएं और कार्य उपस्थित होते हैं जिनके पूर्ण होने से प्रसन्नता और अनुकूलता प्राप्त होती है, परन्तु ऐसे कार्यों की सम्पन्नता में बाधायें भी आती रहती है। अतः अपने समस्त कार्यों व मनोकामना की पूर्ति हेतु इस विशिष्ट पुष्य योग पर साधना सम्पन्न करना सर्वश्रेष्ठ होता है। यदि घर से यह साधना करके बाहर निकले तो निश्चय ही आपका सोचा हुआ कार्य पूर्ण होता है।

## सूर्य साधना

**महेश नवमी - 04 जून**

प्रत्येक व्यक्ति के मन की आकांक्षा है, कि उसके जीवन में पूर्णता का समावेश हो, उसका व्यक्तित्व पूर्ण तेजस्वी हो, वह अन्य लोगों के लिये प्रेरणा बन सके। लेकिन यथार्थः उसे यह सब प्राप्त करने के लिये अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है... अपनी मन की आकांक्षा को पूर्ण करने के लिये श्रेष्ठ साधना दिवस निर्जला एकादशी पर यह साधना सम्पन्न करें।

## देवी गायत्री साधना

**गायत्री जयंती, 06 जून**

सनातन धर्म में माता गायत्री परम उपास्या हैं और सुबुद्धि एवं सद्विचारों की प्रदात्री के रूप में उपादेय हैं। इस साधना पद्धति से बुद्धि का विकास, आत्मिक भक्तियों को बढ़ाने का यह साधना सरलतम सोपान माना गया है। इस साधना के माध्यम से साधक के शरीर में विद्यमान चौबीस देवताओं के साथ सम्बन्ध स्थापित होता है।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।